

मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र द्वारा विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए आयोजित सामान्य वार्षिक कार्यशाला



प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में सफल होना चाहता है। सफलता के साथ-साथ वह सुखी भी होना चाहता है। परन्तु सफल और सुखी होने के मूल आधार है—हमारी जीवन दृष्टि अर्थात् जीवन को देखने समझने का ढंग, हमारे जीवन मूल्य और हमारी मानवीय क्षमताएँ। इन मूल्यों और क्षमताओं को व्यवस्थित रूप से जानने समझने के लिए तथा इन्हें अपने भीतर विकसित करने के लिए हमारी सामान्य शिक्षा व्यवस्था में कोई स्थान नहीं होता। इस कमी को पूरा करने के लिए मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र ने सन् 1997 से कार्यशाला का आयोजन आरम्भ किया। इस शृंखला में सम्पन्न कुछ कार्यशालाओं का विवरण इस प्रकार है।

19वीं कार्यशाला : 2014–15



12–21 जनवरी, 2015 के मध्य केन्द्र ने विश्वविद्यालय के शोधार्थियों के लिए **“जीवन मूल्य और अकादमिक क्षमता का विकास”** विषयक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में कुल छप्पन (56) शोधार्थियों ने भाग लिया।

18वीं कार्यशाला : 2013–14

06–12 जनवरी 2014 को केन्द्र ने विश्वविद्यालय के शोधार्थियों के लिए **“Human Values and Practical Skill for Excellence in Personal and Academic Life : व्यक्तिगत और अकादमिक जीवन में उत्कृष्टता के लिए जीवन मूल्य और व्यावहारिक कौशल”** विषयक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में कुल बयासी (82) शोधार्थियों ने भाग लिया।

17वीं कार्यशाला : 2012-13



17वीं कार्यशाला जिसका शीर्षक था— **“जीवन मूल्य एवं समन्वित व्यक्तित्व विकास”**, का आयोजन दिनांक 15-30 जनवरी, 2013 के मध्य एनीबेसेण्ट सभागार, कला संकाय में किया गया। इस कार्यशाला में कुल 103 छात्र/छात्राओं (छात्र-82, छात्राएं-21) ने भाग लिया।

16वीं कार्यशाला : 2011-12



16वीं कार्यशाला जिसका शीर्षक था— **“जीवन मूल्य एवं समन्वित व्यक्तित्व विकास”**, का आयोजन दिनांक 01-16 नवम्बर, 2011 के मध्य एनीबेसेण्ट सभागार, कला संकाय में किया गया। इस कार्यशाला में कुल 112 शोध छात्र/छात्राओं (शोध छात्र-55, शोध छात्राएं-32, कर्मचारी-25) ने भाग लिया।

15वीं कार्यशाला : 2011-12



15वीं कार्यशाला जिसका शीर्षक था— **“जीवन मूल्य एवं समन्वित व्यक्तित्व विकास”** का आयोजन दिनांक 10-22 अक्टूबर, 2011 के मध्य एनीबेसेण्ट सभागार, कला संकाय में किया गया। इस कार्यशाला में कुल 110 छात्र/छात्राओं (विश्वविद्यालय के स्नातक छात्र-61, परास्नातक-20, शोध छात्र-15, स्नातक, परास्नातक एवं शोध छात्राएं 14) ने भाग लिया।

14वीं कार्यशाला : 2010-11



14वीं कार्यशाला जिसका शीर्षक था— **“जीवन मूल्य एवं समन्वित व्यक्तित्व विकास”**, का आयोजन दिनांक 17 जनवरी 2011 से 03 फरवरी, 2011 के मध्य एनीबेसेण्ट सभागार, कला संकाय में किया गया। इस कार्यशाला में कुल 110 छात्र/छात्राओं एवं 10 अध्यापकों (विश्वविद्यालय के 100, सम्बद्ध महाविद्यालयों के 6, अन्य संस्थाओं के 4 छात्र/छात्राओं ने एवं 10 अध्यापकों) ने भाग लिया।

13वीं कार्यशाला : 2009-10



13वीं कार्यशाला जिसका शीर्षक था— **“जीवन में सफलता के लिए नैतिक एवं मानवीय मूल्य”** का आयोजन दिनांक 22 सितम्बर से 31 अक्टूबर, 2009 के मध्य मालवीय भवन 'सभागार' में किया गया। इस कार्यशाला में कुल 101 छात्र/छात्राओं (विश्वविद्यालय के 97, सम्बद्ध महाविद्यालयों के 2, अन्य संस्थाओं के 2 छात्र/छात्राओं ने) एवं 1 विश्वविद्यालय कर्मचारी ने भाग लिया।

12वीं कार्यशाला-2008

12वीं कार्यशाला जिसका शीर्षक था— **“जीवन मूल्य एवं मानवीय क्षमताओं का विकास”** का आयोजन दिनांक 17 सितम्बर से 24 अक्टूबर, 2008 के मध्य मालवीय भवन 'सभागार' में किया गया। इस कार्यशाला में कुल 121 छात्र/छात्राओं (इसमें 67 स्नातक, 26 स्नातकोत्तर, 22 शोध छात्र/छात्राओं, 5 अध्यापकों/कर्मचारियों एवं एक अन्य महाविद्यालय के प्रतिभागी थे) ने भाग लिया।



11वीं कार्यशाला-2007

11वीं कार्यशाला जिसका शीर्षक था—**“जीवन मूल्य एवं मानवीय क्षमताओं का विकास”** का आयोजन दिनांक 25 सितम्बर से 4 नवम्बर, 2007 के मध्य मालवीय भवन ‘सभागार’ में समय 5 बजे से 7 बजे तक किया गया। इस कार्यशाला में कुल 118 छात्र/छात्राओं एवं अध्यापकों ने आवेदन किया था। इसमें 49 स्नातक, 33 स्नातकोत्तर, 29 शोध छात्रों, 7 अध्यापकों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।



10वीं कार्यशाला-2006

दसवीं कार्यशाला जिसका शीर्षक था—**“जीवन मूल्य एवं समन्वित व्यक्तित्व का विकास”** का आयोजन दिनांक 25 सितम्बर से 4 नवम्बर, 2006 के मध्य मालवीय भवन ‘सभागार’ में किया गया। इस कार्यशाला में कुल 45 छात्र/छात्राओं (18 शोध छात्र/छात्राओं, 15 परास्नातक छात्र/छात्राओं एवं 12 स्नातक छात्र/छात्राओं) ने भाग लिया।



प्रो०ओ०पी०केजरीवाल, पूर्व सूचना आयुक्त

9वीं कार्यशाला—2005



9वीं कार्यशाला जिसका शीर्षक था—“**जीवन मूल्य एवं समन्वित व्यक्तित्व विकास**”, का आयोजन दिनांक 19 सितम्बर से 28 अक्टूबर, 2005 के मध्य मालवीय भवन ‘सभागार’ में समय 5 बजे से 7 बजे तक किया गया। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के लगभग 62 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसके अतिरिक्त 3 अन्य प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

8वीं कार्यशाला—2004



आठवीं कार्यशाला जिसका शीर्षक था—“**जीवन मूल्य एवं मानवीय क्षमताओं का विकास**”, का आयोजन दिनांक 14 सितम्बर से 14 अक्टूबर, 2004 के मध्य मालवीय भवन ‘सभागार’ में समय 5 बजे से 7 बजे तक किया गया। इस कार्यशाला में कुल 55 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसमें 28 स्नातक, 20 स्नातकोत्तर एवं 2 शोध छात्रों ने हिस्सा लिया। इसके अतिरिक्त 5 अन्य प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।